कार्यक्षेत्र से रिपोर्ट – 4

राहत COVID - ग्रामीण भारत तक पहुंच

हमारे गाँव, शांत रूप से सहारा देते हुए, देश के लिए भोजन का मुख्य स्रोत है, लेकिन यही गांव उपेक्षित भारत भी है। इस लॉकडाउन में हमारा दोहरा लक्ष्य है शहरों और ग्रामीण भारत में फंसे लोगों तक राहत पहुंचाना , और दूसरे चरण में ग्रामीण और उपेक्षित समुदायों को पुनर्स्थापित करना, क्योंकि जब गाँव सुधरेंगे तो देश भी सुधरेगा।

कार्यक्षेत्र की मुख्य गतिविधियां:

- हम संपूर्ण देश के अपने नेटवर्क को सक्रिय कर चुके हैं और अपनी क्षेत्रीय टीमों के अलावा 150+ सहभागी संस्थाओं के साथ 20 राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों के कुछ हिस्सों में पहले ही काम शुरू हो गया है।
- अब तक 41,300 परिवारों तक तत्काल सहायता पहुंचाई जा चुकी है।
- 38,000 किलो राशन स्थानीय सामुदायिक रसोईयों तक पहुँचाया गया है जिससे 1,27,000+ लोगो के लिये भोजन का इंतज़ाम किया गया।
- स्वास्थ्य रक्षा संबंधित पहल: 1,21,000+ से ज्यादा फेस मास्क तथा 45000+ सेनेटरी पैड तैयार किए गए हैं।
- 99,000 तैयार भोजन लोगों तक पहुंचाया गया।
- 6,00,000 किलो राशन तथा अन्य जरूरी सामग्री लोगों तक पहुंचाई गई ।

कार्य क्षेत्र में पहल:

कर्नाटक में टमाटर उत्पादक किसानों की हताशा का हल।

गूँज कोलार के किसानों से सीधे थोक में टमाटर की फसल खरीद रहा है, इन टमाटर को अन्य सब्जियों के साथ क्षेत्र में हमारे राशन किट में शामिल किया जा रहा है। कारण? कर्नाटक में कोलार की जमीन अपने खदान क्षेत्रो तथा टमाटर जैसी फसल की खेती के लिये 'भारत की स्वर्ण भूमि' के नाम से विख्यात है। इस समूचे क्षेत्र में सालाना लगभग 4 लाख टन टमाटर की पैदावार होती है। साल के इस समय प्रतिवर्ष देश विदेश में व्यापक तौर

पर टमाटर भेजा जाता है जिससे किसानों को केवल तीन चार महीने की मेहनत में प्रति एकड़ 1 लाख की लागत पर 5 लाख रूपये तक की आय होती है। जिससे शेष वर्ष के लिए किसान की स्तिथि सामान्य बनी रहती है। लेकिन इस साल अचानक लॉक डाउन हो जाने से टमाटर की 90% उपज को आगे नहीं बेचा जा सका तथा किसान इसे बहुत कम दर पर बेचने के लिए बाध्य हो गए। हताश होकर कई किसानों ने अपनी उपज को ऐसे ही नष्ट कर दिया। गूँज द्वारा किसानों से सीधे टमाटर खरीदने से उन्हें उनकी उपज का मूल्य मिल रहा है तथा राशन किट के साथ भेजने पर स्थानीय लोगो को अतिरिक्त पोषण मिल रहा है...इस प्रक्रिया में उपज को मंडियों तक पहुँचाने के खर्च में भी कमी आयी है।

ग्रामीणों द्वारा तैयार सामान ग्रामीण भारत के लिए - बुन्देलखण्ड से एक उदाहरण

बुंदेलखण्ड के लोग लंबे समय से जल संकट से जूझ रहे है। इस लॉकडाउन के समय में, हमारी टीम ललितपुर जिले में दिहाड़ी मजदूरी पर काम करने वाले किसानों, बुनकरों तथा पशुपालकों के साथ काम कर रही है, जो इस समय काम ना मिलने तथा पहले से तैयार माल को ना बेच पाने के कारण हताश हैं। उन तक राशन किट पहुँचाने के दौरान उन्हें हमारी टीम की ओर से टोकरी तथा पंखे बनाने के लये प्रेरित किया गया और उन्हें उसका भुगतान किया गया। ग्रामीणों ने तुरंत ही 1 हफ्ते के भीतर तैयार करने के वादे के साथ, 200 टोकरी तथा 200 पंखे बनाने का काम शुरू कर दिया। यह उत्पाद हमारे राहत किट में शामिल किए जाएंगे। गूँज 2016 से बुंदेलखण्ड के अलग-अलग जिलों में, स्थानीय समस्याओं का समाधान स्थानीय समुदायों को प्रेरित कर उन्ही के द्वारा करवा रहा है।

बंगाल के ग्रामीण क्षेत्रो को पुनर्जीवित करने के विभिन्न प्रयास

गूँज द्वारा ग्रामीण क्षेत्रो में किये गए प्रयासों में बंगाल एक बहुत बड़े केंद्र के रूप में उभर रहा है। उत्तरी बंगाल में हमारी टीम आलू के किसानो से सीधे थोक में आलू खरीद रही है तथा उसे राशन किट में सम्मिलित कर आगे ग्रामीणों तकपहुँचाया जा रहा है। यहां का सुंदरबन क्षेत्र जहां हमारी टीम द्वारा (लॉकडाउन से पहले) स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर सब्जियों की खेती की गयी थी, वह सब्जियां अब खेतो में तैयार हो चुकी है और वे इन तैयार सब्जियों को वापस हमे बेच रहे है, जिसे हम राशन किट के साथ सम्मिलित कर रहे है। इसी तरह बांस की टोकरी बनाने वाले स्थानीय समुदाय को संगठित कर समर्थन दिया गया है और अलीपुर क्षेत्र के आदिवासी समुदाय के लोग फेस मास्क बना रहे है। कोलकाता शहर में छोटे दर्जियों को हमारी राहत किट के लिए फेस मास्क बनाने में सम्मिलित किया जा रहा है। इसी क्रम में सबसे खूबसूरत सहयोग करेला उत्पादक किसानों का है जिन्होंने अपनी पूरी उपज गूँज को मदद के रूप में समर्पित कर दी है।

कार्य क्षेत्र से जानकारी:

प्रभावित लोगो तक पहुँची तत्काल राहत सहायता:

41,300 परिवारो तक पहुंच।

99,000 तैयार भोजन लोगों तक पहुंचाया गया।

6,00,000 किलो राशन तथा अन्य आवश्यक सामग्री, राशन किट तथा सामुदायिक रसोईयों के माध्यम से पहुँचाई गयी।

स्थानीय सामुदायिक रसोई की शुरुआत एवं सहयोग

15 सामुदायिक रसोइयों को **1,27,000+ भोजन** के लिए **38,000 किलो राशन** के माध्यम से सहयोग।

स्वास्थ्य रक्षा संबंधित पहल

1,21,000+ से ज्यादा फेस मास्क तथा **45000+ सेनेटरी पैड** तैयार किए गए।

अभावों को भरने का प्रयास तथा नेटवर्क की पहुंच बढ़ाना

20 राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशो में **150 से अधिक सहभागी संस्थाओं** के साथ कार्यो की शुरुआत।

बड़े पैमाने पर उद्योग जगत, संगठनों तथा व्यक्तियों के साथ काम।

शब्दों का मोल: मीडिया में गूंज की उपस्थिति

Migrant Workers Not 'Escaping', Society Failed Them: Goonj Founder

COVID19: Indian Army with NGO 'Goonj' distributes ration in Rajouri

https://www.facebook.com/firstbiharnews/videos/1527026630785712/

हमारा सहयोग कीजिए

तत्काल आवश्यकता

सामग्री (अधिक मात्रा में) सहयोग - https://bit.ly/2yR0o0h

राशि सहयोग - https://bit.ly/3b52CpJ

वेबिनार - 'कोविद-19 के समय विकास क्षेत्र में संलग्न संस्थाओ की प्रतिक्रिया तथा प्रभाव' अंशु गुप्ता (संस्थापक) https://bit.ly/3b6saTj

गूँज के लिये सहयोग राशि जुटाने के लिये आप **फंडरेजिंग कैंपेन** शुरू कर सकते है और अपने नेटवर्क में प्रेषित कर सकते हैं।

अपने सवालों के लिए हमे mail@goonj.org पर लिखें।

गूँज राहत - COVID के कार्यो के संबंध में अधिक जानने के लिये- https://bit.ly/2K1JH3e